The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

28 June 2021

रांची

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय द्वारा "ऑनलाइन शिक्षण" पर स्कूल शिक्षकों के लिए फ़ैकल्टि विकास कार्यक्रम का आयोजन

इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा स्कूल के प्रधानाचार्यों और वरिष्ठ शिक्षकों के लिए "ऑनलाइन शिक्षण और सीखने" पर एक संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 130 से अधिक प्रधानाचार्य, विभाग प्रमुख, तथा वरिष्ठ शिक्षकओ ने झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल एवं उड़ीसा के विभिन्न स्कूलों और जूनियर कॉलेजों से भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, इक्फ़ाई विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर ओ आर एस राव ने कहा, "कोविड-19 महामारी ने डिजिटल शिक्षण-शिक्षण में बदलाव को गति दी है। हालाँकि, सीखने का प्रौद्योगिकी-सक्षम ब्लेंडेड लर्निंग मॉडल नए सामान्य, कोविद के बाद भी बना हुआ है। यह आवश्यक है कि सभी शिक्षक शैक्षिक प्रौद्योगिकी उपकरण को उपयोग करें कि जिससे की कक्षाओं को छात्रों के लिए अधिक रोचक और इंटरैक्टिव बनाया जाए। स्वाध्याय लर्निंग सिस्टम के सफल कार्यान्वयन में इक्फ़ाई विश्वविद्यालय के अनुभव को बताते हुए, प्रो राव ने कहा, "वर्तमान स्थिति शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और इसे और अधिक समावेशी बनाने के लिए शिक्षा के डिजिटल परिवर्तन का एक अवसर है। इंटरनेट बैंडविड्थ जैसी ढांचागत चुनौतियों का सामना करने के लिए, स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर उपयुक्त तकनीक का उपयोग करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, फैकल्टी प्रशिक्षण और सुविधा सफल कार्यान्वयन की कुंजी है।

आर्मी पब्लिक स्कूल, रांची के प्रधानाचार्य श्री अभय कुमार सिंह ने कहा, "वर्तमान पीढ़ी के छात्र तकनीक के जानकार हैं और प्रौद्योगिकी के माध्यम से सीखने का आनंद लेते हैं। उन्होने कहा की मैं इस संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए इक्फ़ाई विश्वविद्यालय की पहल की सराहना करता हूं ताकि हमारे शिक्षकों को डिजिटल शिक्षण के लिए तैयार किया जा सके। मैं विश्वविद्यालय से शिक्षकों के लिए इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध करता हूं।

श्री अनिल कुमार गुप्ता, संस्थापक-प्राचार्य, क्रिसेंट पब्लिक स्कूल, बोकारो ने कहा, "हालांकि प्रौद्योगिकी एक शिक्षक की जगह नहीं ले सकती है, पर यह निश्चित रूप से शिक्षक को छात्रों को बेहतर ढंग से जोड़ने और यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकती है। इस प्रक्रिया में, शिक्षक को छात्रों द्वारा सीखने के लिए सूत्रधार की महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है। इस संबंध में आज का प्रशिक्षण बहुत उपयोगी है।"

कार्यक्रम का संचालन इक्फ़ाई विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुदीप्त मजूमदार ने प्रोफेसर शिव शंकर शुक्ला और प्रोफेसर अमर गुप्ता के तकनीकी सहयोग से किया। यह बताते हुए कि इक्फ़ाई विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्य कक्षाओं को सहभागी और रोचक बनाने के लिए मेंटीमीटर, स्ट्रॉपोल और क्विज़ जैसे शैक्षिक प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग कैसे कर रहे हैं, उन्होंने प्रतिभागियों को उनका उपयोग करने का तरीका दिखाया।

सभी प्रतिभागी ने लाइव प्रदर्शन को देखने के लिए उत्साहित थे और उन्होंने अपनी कक्षाओं में प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग करने की इच्छा व्यक्त की।

इक्फ़ाई समूह के सूचना विभाग के मुख्य प्रबंधक, श्री सुमित राठोर ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए कहा, "हम प्रिंसिपल और एचओडी से उत्साहजनक प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं। हमारे विश्वविद्यालय को अपने अनुभव साझा करने और भविष्य में इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित करने में खुशी होगी। इस कार्यक्रम में प्रो. अरविंद कुमार, रजिस्ट्रार, डॉ. भगत बारिक, सहायक डीन और वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया।

==========